

Clark, Helen. **Global education monitoring report, 2019: Migration, displacement and education: building bridges, not walls.** Paris, UNESCO, 2018: 362 p.

The 2019 Global Education Monitoring Report examines the education impact of migration and displacement across all population movements: within and across borders, voluntary and forced, for employment and education. It also reviews progress on education in the 2030 Agenda for Sustainable Development.

In view of increasing diversity, the report analyses how education can build inclusive societies and help people move beyond tolerance and learn to live together. Education provided equally builds bridges; unequal provision raises walls between migrants and refugees and their host communities. Two new global compacts on migrants and refugees recognize education's role and set objectives aligned with the global commitment to leave no one behind. This report is a vital toolkit for these compacts. It covers policy issues that address seasonal migrants, rural school consolidation, intercultural curricula, refugee inclusion in national education systems and elimination of segregation, qualifications recognition, targeting of school funding, more effective humanitarian education aid and teacher preparedness for diverse classrooms in emergency, protracted and "new normal" contexts. The report calls on countries to see education as a tool to manage migration and displacement and an opportunity for those needing one. This report brings together the existing evidence on migration and education to paint a picture of incredible opportunity, as well as points to where and why educational disadvantage can occur. And this at a time in which the international community is striving to meet the SDGs and maximize the significant benefits of migration globally.

Mala Kapur Shankardass and Irudaya Rajan. **Abuse and Neglect of the Elderly in India.** Springer: 2018.

This book highlights different aspects of the problem of elder abuse and neglect in India, and discusses its forms as well as means of prevention, intervention and management. It presents a framework for understanding the occurrence of elder abuse and neglect in India, placing

R.N.I. No. 53577 /1991
Postal Regn. No. DL(C)01/1160/2019-2021
Published on January 28, 2019
Posting Date: 29-30th of every month in NDPSO

the discussion within the global context. Elder abuse and neglect is a growing concern in South Asia. It uses data from different parts of India to describe the various dimensions of elder abuse and neglect among different population categories and sections in society. Covering rural and urban areas in different states, it discusses current perspectives on elder abuse and neglect at the household level, widows, HIV-affected populations, and those residing in institutions.

Unesco. 2019 youth report: migration, displacement and Education: building bridges, not walls. Paris, Unesco, 2018: 41 p.

This Youth Report tells the stories of people as they move around the world in pursuit of their education, work or security and of those tasked with helping refugees and migrants re-enter and feel included in school.

It is designed to tell the real stories behind the recommendations and messages in the 2019 Global Education Monitoring Report, Migration, displacement and education: Building bridges, not walls. It brings to life a series of recommendations and calls on youth and teachers to share and discuss the stories, to use them in campaigns and as a teaching tool in class.

Read the voices of teachers coping with overcrowding in refugee camps in Kenya and teachers helping Rohingya, Syrian and Palestinian refugees cope with trauma.

Hear the stories of an asylum seeker looking to continue his studies, second-generation immigrants still feeling excluded and students benefitting from scholarships to study abroad.

Compiled by **Neha Gupta**
Librarian-cum-
Documentation Officer

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002.

Tel: 011-23379306, 23378206, 23379282,
23378436, 43489048

Editor: Dr. Madan Singh
E-mail: iaeadelhi@gmail.com Website: iaea-india.in

IAEA NEWSLETTER

Vol. 28 No. 01 Re. 1 per copy January 2019 Total Pages 12



Indian Adult Education Association

महू में आशा कला केन्द्र द्वारा बाल महोत्सव का आयोजन



नई पीढ़ी को संवारने, प्रोत्साहित करने तथा इनके मन में राष्ट्र प्रेम, एकता, अखण्डता, सामाजिकता, नैतिकता जैसे सदगुणों के बीज अंकुरित करने हेतु महू में आशा कला केन्द्र द्वारा प्रतिवर्ष प. जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस अर्थात् 14 नवंबर को बाल महोत्सव का पुनीत और अद्वितीय आयोजन किया जाता है। सन् 1981 से प्रारंभ हुआ यह बाल महोत्सव मध्यप्रदेश का एकमात्र पूर्णतः जन सहयोग पर आधारित अशासकीय आयोजन है जो विगत 37 वर्षों से सतत आयोजित किया जा रहा है।

बाल महोत्सव समिति, महू द्वारा आयोजित इस दस दिवसीय बाल महोत्सव के दौरान विविध प्रकार की साहित्यिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक स्पर्धाएं बालकों को प्रतिभा प्रदर्शन हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करती हैं, जिससे अंकुरित बाल प्रतिभाओं द्वारा नित नये कीर्तिमान रचे जाते हैं। प्रतिवर्ष 10 दिवसीय इस आयोजन में महू नगर और आसपास के 65 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 15000 बच्चों ने सहभागिता की। इस प्रकार विगत 37 वर्षों में लगभग 4.20 लाख बच्चे महोत्सव की विभिन्न गतिविधियों में सम्मिलित हो चुके हैं। इस वर्ष बाल रैली और शुभारंभ समारोह में 5000 बच्चों ने, बाल मेले में 3000 बच्चों ने एवं खुली चित्रकला में 2000 बच्चों ने अपनी रचना धर्मिता प्रदर्शित की।

अड़तीसवें बाल महोत्सव का भव्य शुभारंभ 14 नवम्बर को विशाल बाल रैली के रूप में हुआ, जिसमें लगभग 5000 विद्यालयीन छात्र-छात्राएँ राष्ट्रीय नारों, मतदान, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ से संबंधित

पट्टिकायें लिये हुये बैण्ड-बाजों के साथ धूमधाम से निकले। इस रैली में राष्ट्रीय नायकों का रूप धरे हुये घोड़े पर सवार बच्चे एवं राष्ट्रीय झाँकियाँ आकर्षण का केंद्र थीं। रैली मार्ग पर शहरवासियों द्वारा बच्चों हेतु टॉफी एवं जल वितरण की व्यवस्था की गयी। रैली में मार्च पास्ट एवं सर्वश्रेष्ठ झाँकियों को पुरस्कृत किया गया एवं इसमें भाग लेने वाले बच्चों को समिति की ओर से बिस्किट के पैकेट प्रदान किये गये। नेहरू प्रतिमा स्थल पर यह रैली बाल सभा के रूप में परिवर्तित हुई, जहाँ बाल महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ समारोह श्रीमती रीना जी खुराना एवं श्रीमती शोभा जी खन्ना के आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के पूर्व नेहरूजी की प्रतिमा पर समिति की ओर से भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्री कैलाश जी चौधरी एवं श्री रामलाल जी पाटीदार द्वारा माल्यार्पण किया गया।

बाल महोत्सव 2018 में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर चित्रकला, निबंध एवं वाद-विवाद, माध्यमिक स्तर पर समूह देशभक्ति गीत, चित्रकला, रंगोली एवं एकल नृत्य तथा प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिये शुद्ध लेखन, सुन्दर लेखन, चित्रकला, समूह गान, एकल नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। इन प्रतियोगिताओं में शहर के गणमान्य नागरिक एवं विषय विशेषज्ञ अतिथि व निर्णायक के रूप में सहभागी





बने। बच्चों के मनोरंजन हेतु श्रीमती मिनी इलावा स्मृति बाल मेले का भव्य आयोजन छावनी परिषद उद्यान में किया गया, इस कार्यक्रम के अतिथि समाजसेवी श्री फिरोज जी इलावा व श्री चम्पालाल जी यादव थे। बाल मेले में शामिल हुये छात्रों को समिति की ओर से स्वाल्पाहार उपलब्ध कराया गया। मेले में बच्चों के लिये वामा क्लब एवं मारवाड़ी महिला मण्डल द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं एवं विजेता छात्रों को उनकी ओर से पुरस्कृत किया गया।

बाल महोत्सव का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह छावनी परिषद महु की मुख्य अधिशासी अधिकारी श्रीमती मनीषा जी जाट, श्री जयदेव जी कर एवं श्री गुरमीत जी नारंग के आतिथ्य में श्री जयगोविन्द गोपीनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। समारोह में विद्यालय के प्राचार्य श्री जयसिंह जी पंवार एवं समिति अध्यक्ष श्री सुरेश खण्डेलवाल भी मंचासीन थे। इस अवसर पर बाल महोत्सव समिति की ओर से समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाली सेंट मेरीज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर एल्सा का शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र द्वारा अभिनंदन किया गया। बाल महोत्सव के दौरान 15 प्रतियोगिताओं में 60 पुरस्कार, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित वाद – विवाद प्रतियोगिता में पक्ष व विपक्ष के विजेताओं को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली की ओर से पुरस्कार प्रदान किये गये। इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार

Annual Status of Education Report Released

The 13th Annual Status of Education Report (ASER) for the year 2018 was released by PRATHAM, a leading NGO on January 15, 2019 which focuses on the basic abilities of children in rural districts between the age of 5-16 in terms of reading and arithmetic. The data for the report was collected from 596 rural districts across 28 states covering 3.5 lakh households and 5.5 lakh children in the age group of 3-16 years.

The report reveals that still there is a crisis in rural education though 97.2% of children in 6-14 age group enrolled in school and 95.9% of girls aged between 11-14 years enrolled as well.

Some of the revealing factors are:

- 56% of students in Class VIII cannot divide a three digit number with a single digit one



ऋषि वेली एकेडमी, धारनाका, महु को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

बाल महोत्सव समिति द्वारा महु के पूर्व विधायक एवं उद्योगपति तथा समाजसेवी श्री आर.सी. जाल साहब का जन्म दिन मनाया गया। इस अवसर पर बाल महोत्सव समिति की ओर से टाउन हॉल स्थित श्री आर.सी. जाल साहब की प्रतिमा पर भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्री कैलाश जी चौधरी एवं स्व. जाल साहब की पौत्री सुश्री पूर्णिमा सेठ द्वारा माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।

बाल महोत्सव 2018 को सफल बनाने में श्री विमलचंद जैन, श्री चम्पालाल यादव, श्री सदाशिव दुबे, श्री राधेश्याम बियाणी, श्री कमलेश मिश्रा, श्री उमेश खण्डेलवाल, श्री योगेश मूंदड़ा, सुश्री ऋतु त्रिवेदी, श्री विजय कुमार विजयवर्गीय, श्री मुकेश वर्मा, श्री मनीष गुप्ता, श्री राजेश पाटीदार, श्री रविशंकर दुबे, सुश्री पूर्णिमा सेठ, श्री विक्रमसिंह शेखावत, श्री शाकीर खान, एवं श्री दिनेश जादम का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

सुरेश खण्डेलवाल

सचिव, आशा कला केन्द्र

- 73% of students in Class VIII could read Class II level text (dropped from 84.8% in 2008)
- Nationally, one out of four children leave Class VIII without basic reading skills
- 72% students in Class V cannot do division at all
- Only a little more than half of all children enrolled in Class V can read a Class II level text
- 70% of Class III students are not able to do any subtraction
- Girls are behind boys in basic arithmetic knowledge. Only 44% of all girls could solve division problems compared to 50% of boys. However, girls do better in the states of Himachal Pradesh, Punjab, Kerala, Karnataka and Tamil Nadu

Obituary

Justice Dharmadhikari, Chandrashekhar



former acting Chief Justice of Bombay High Court died on January 3, 2019 in Nagpur at the age of 91. He was the son of Dada Dharmadhikari, a great freedom fighter and seminal Gandhian thinker. Justice Dharmadhikari has devoted a major part of his life in interpreting and propagating Gandhian ideas in the context of our times. He made a sincere effort to imbibe Gandhian ideals in his own life and in public life by participating in major intellectual discourses, particularly in respect of women empowerment. He was heading a number of Gandhian institutions and recipient of many awards. He has written a number of books in Marathi, Hindi and English. He was conferred Padma Bhushan by the President of India in 2003.

On the invitation of Indian Adult Education Association Justice Chandrashekhar Dharmadhikari delivered Zakir Husain Memorial Lecture on August 29, 2014 at India International Centre, New Delhi on the topic "भारतीय राष्ट्रियता : वास्तविकता या आभास" (Indian Nationalism - a Reality or an Abstract).

Justice Chandrashekhar Dharmadhikari is survived by two sons - Justice Satyaranjan Dharmadhikari, Senior High Court Judge, Bombay and Shri Ashutosh Dharmadhikari, Senior Lawyer, and daughter Dr. Aruna Patil.

The management and members of the staff of Indian Adult Education Association convey their heartfelt condolences to the members of the bereaved family and pray for the departed soul to rest in peace.

Smt. Vimla Pant, w/o senior Advocate Shri Nutnesh Pant and mother of Yuva Congress Leader Shri Mrinal Pant died on January 4, 2019 at Mhow in the age of 79. She was suffering from



protracted illness for long. Smt. Pant served in Kendriya Vidyalaya as Post Graduate Teacher and a known Social Worker for many decades. She was the Secretary of B. Kishanlal Shivan Kala Kendra, Mhow, an organization devoted to vocational training programmes for long.

She was a Life Member of Indian Adult Education Association from 1983 and was also a member of the Council earlier.

We, in the Indian Adult Education Association pray for her eternal peace.

Dr. Mandakini Pant, Senior Research Fellow, International Institute of Adult and Lifelong Education passed away on January 6, 2019 at 7:00 a.m. She was 63 years and was suffering from

Pancreatic Neuro-Endocrinal Cancer for the last six months. She is survived by her husband (a retired Civil Servant) and daughter. The family has donated the body to Organ Retrieval Banking Organization (ORBO).

Dr. Mandakini was a freelance researcher and had around 25 years of professional experience which included 7 years as a Lecturer and Head of the Department of Sociology in an affiliated college of SNDT Women's University, Mumbai and as a Reader in Research Centre for Women Studies in the same university and 10 years as an Educator and Coordinator of online distance education courses in Society for Participatory Research in Asia (PRIA), New Delhi. Her last assignment was with the International Institute of Adult and Lifelong Education. She had to her credit 27 publications on various themes like participatory research, empowerment, women's leadership, citizenship, governance and adult education.

She was a Life Member of Indian Adult Education Association from 2015.

We, in the Indian Adult Education Association (IAEA) and International Institute of Adult and Lifelong Education (IIALE) pray for her eternal peace.

साक्षरता निकेतन में पी.एफ.एम.एस. पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर, लखनऊ (साक्षरता निकेतन) एवं लखनऊ (अमवा) द्वारा संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के जन शिक्षण संस्थानों के निदेशकगणों एवं लेखा लिपिकों के लिए (Stepwise

Procedure for Implementation of Public Financial Management System - PFMS)



सम्बंधित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन साक्षरता निकेतन के वेल्दी फिशर हॉल में दिनांक 10 व 11 जनवरी, 2019 को किया गया जिसका उद्घाटन श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस.(से.नि.), अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश जल निगम ने दीप

प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर श्री लोकेश कुमार, सचिव/निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन एवं श्री हेमन्त कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ लेखाधिकारी, स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट (पी.एफ.एम.एस.) उ.प्र. विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला के संयोजक श्री राजेश कुमार बाजपेयी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य को रेखांकित किया। इसके अनुसार कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जो भी अनुदान राशि जन शिक्षण संस्थानों को निर्गत की जायेगी वह PFMS के माध्यम से होगी तथा जन शिक्षण संस्थानों को भी भारत सरकार से प्राप्त होने वाले अनुदान को केवल PFMS System के द्वारा ही व्यय किया जा सकेगा। इसलिए सभी जन शिक्षण संस्थानों को PFMS System पर काम करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट (PFMS) उत्तर प्रदेश की ओर से संदर्भ व्यक्ति के रूप में श्री सर्वेश कुमार, श्री अमन कुमार एवं श्री सचिन कुमार, ऑपरेशनल मैनेजर्स ने दोनो ही दिन PFMS Systems के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष पर सघन रूप से प्रशिक्षण दिया एवं उपस्थित प्रतिभागियों से उनके लैपटॉप पर व्यावहारिक कार्य भी कराया।

कार्यशाला का संचालन जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के निदेशक, श्री श्रीपति रस्तोगी द्वारा किया गया।

— श्रीपति रस्तोगी

Yoga and Meditation Training for Children



The Department of Life-Long Learning and Extension, Gandhigram Rural Institute (Deemed to be University) through its Creche and Children's Project organized a two day training programme on Yoga and Meditation on December 8-9, 2018 at Dhyana Vanam, Vellodu, Kombei in which 26 children studying 6th to 9th class participated. The Resource Persons were yoga teachers Shri P. Dakshinamurthi and Shri Malavan from Gandhigram Rural Institute.

By jointly lighting the lamp the programme was

inaugurated by Fr. Korke, Founder of Dhyana Vanam, Dr. B. S. Nagarajan, former Professor, Department of Lifelong Learning and Extension, Gandhigram Rural Institute, Dr. L. Raja, Professor and Principle Coordinator of Creche Project, Shri P. Dakshinamurthi and two children participating in the programme.

In the training programme the participants were given adequate knowledge and practice on pranayam, kapalabhati, nadi suddhi, sheetakari, bhramari and asanas which included vajrasan, shavasana, suhasana, ardhapadmasana, padmasana, surya namaskar, butterfly, dhanurasana, sasangaasan, sesubandhasana and chakrasana. The participants also had moral lessons and taught Korean dance by Fr. Sylvester of Dhyana Vanam. The entire training programme refreshed and rejuvenated the participants.

The training programme was coordinated by Dr. R. Kalpana with the assistance of Smt. M. Annamary Selvi, Smt. Pushpalatha and Smt. M. Umashanti.

Vishesa Gauravacharya Award Conferred on Dr. Sujit Kumar Paul

Dr. Sujit Kumar Paul, Associate Professor & Head, Department of Lifelong Learning and Extension, Visva-Bharati (A Central University) and also the Vice President of the Association for world Education has been awarded the Proficiency Proved Professional Honorary title of Vishesa Gauravacharya (Teacher

of Special Honour) by the South Asian Academy for Good Governance, Sri Lanka at Sri Lanka Foundation, Colombo in the presence of distinguished people from different parts of Sri Lanka and abroad.

Dr. Paul is the Life Member of the Indian Adult Education Association.



Jail Inmates made Artificial Limbs



Long before jail used to be a place of punishment for people who do wrong things but today the jail is more of a reformation centre providing opportunities for the inmates to change themselves so that they are well integrated with

others once they are out of jail. The inmates receive education, skill training, employment, opportunities for leadership and lessons for self-improvement. In this direction Firozabad Jail administration also takes a number

of programmes for the welfare of its inmates. One such activity conducted was preparing artificial limbs in the jail by the inmates with the help of Department for Empowerment of Differently Abled rough which 10 prisoners (including one female) got artificial legs, hand and other supportive equipments. The beneficiaries received the materials from District Judge, District Magistrate, Senior Superintendent of Police and Chief Judicial Magistrate when they visited the jail for tri-monthly joint inspection on December 21, 2018.

IAEA President attended Annual Conference of Indian Association of Social Science Institutions



A three day Annual Conference of Indian Association of Social Science Institutions (IASSI) was jointly organized by the National Institute of Rural Development & Panchayati Raj (NIRD&PR) and the Centre for Economic and Social Studies (CESS), Hyderabad from January 11-13, 2019 at the National Institute which was attended by around 80 delegates from all over the country. The conference was inaugurated by Professor K.L. Krishan, Chairman, Madras Institute of Development Studies, Chennai. While Professor Yoginder K. Alagh, Chancellor, Central University of Gujarat and noted Economist as the conference President gave opening remarks, the special address was delivered by eminent personalities like Dr. W.R. Reddy, IAS, Director-General, NIRD&PR, Professor R. Radhakrishna, Chairman, IASSI and Chairman, CESS and Professor V. K. Ramachandran, Vice-Chairman, State Planning Board, Govt. of Kerala. Professor S. Galab, Director, CESS gave welcome address and Dr. R. Ramesh, Associate Professor, NIRD&PR gave vote of thanks. Dr. Gyanmudra, Professor & Head, Centre for Human Resource Development, NIRD&PR was the Local Organizing Secretary of the Conference.

The plenary session was chaired by Professor Sudipto Mundle, Emeritus Professor, National Institute of Public Finance and Policy and Member of 14th Finance Commission, Govt. of India and Keynote Addresses were delivered by Professor S.R. Hashim, Chairman, Institute for Human Development (IHD) Delhi, former Chairman of Union Public Service Commission and former Member-Secretary of Planning Commission on the topic "Seventy Years of Indian Economy; Growth and Challenges and Professor Surinder Singh Jodhka, Professor of Sociology, Centre for the Study of Social Systems, Jawaharlal Nehru University on the topic, "Social Change? Moving Beyond the Hegemonic Narratives".

Thereafter, Professor S. Mahendra Dev, Director and

Vice-Chancellor, Indira Gandhi Institute of Development Research, Mumbai delivered Professor V.S. Vyas Memorial Lecture on the topic "Agriculture and Rural Transformation for Inclusive Growth". This session was chaired by Professor D. Narasimha Reddy, Visiting

Professor, Institute for Human Development and former Professor of Economics, University of Hyderabad.

In another session special lectures were delivered by Dr. S.M. Vijayanand, IAS (Retd.), former Secretary, Government of Kerala and former DG, NIRD&PR on the topic "Panchayati Raj Institutions" and Dr. T. Vijaya Kumar, IAS (Retd.), Advisor (ZBNF), Co-Chairman, Rythu Sadhikara Samstha (RySS), a not-for-profit company fully-owned by the Government of Andhra Pradesh on the topic "Sustainable Agriculture Development". This session was chaired by Professor S.R. Husan. Parallel technical sessions were also held on different sub-themes related to Development and Changes.

Shri K.C. Choudhary, President and Smt. Kalpana Kaushik, Joint Director attended the conference and the meeting of Annual General Body of IASSI on behalf of Indian Adult Education Association.

– Kalpana Kaushik

"Language and literature constitute a crucial area for the school's success in dealing with cultural matters in a mature manner. It is in the language class that children learn the skills required for critical analysis and coherent discussion. Literature offers the opportunity to relate to social and cultural history and its contemporary manifestation in a contemplative manner. Unfortunately, both language and literature, along with other subjects belonging to the humanities, are getting marginalized in the current social environment. Neither parents nor school authorities seem to recognize the importance of humanities and the social sciences."

– Prof. Krishna Kumar
former Director, NCERT

श्री नटनागर शोध संस्थान द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन



श्री नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ द्वारा "भारत पर विदेशी आक्रमण और उनका प्रतिरोध" विषय पर आधारित एक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 26 से 28 दिसंबर 2018 को संस्थान परिसर में आयोजित इस संगोष्ठी में उद्घाटन एवं समापन सहित कुल आठ सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किये। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता इण्डियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली के महानिदेशक डा.टी.सी.ए. राघवन ने की जिसमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर के कुलपति डा. नरेन्द्र कुमार धाकड़, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष एवं इण्टरनेशनल इस्टीमेट ऑफ एडल्ट एण्ड लाईफलांग एजुकेशन, नई दिल्ली के कुलाधिपति डा. कैलाशचन्द्र चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्री बंशीलालजी गुर्जर तथा डीन ऑफ स्टूडेंट्स, इण्टर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. उमेश अशोक कदम ने व्यवसायिकता से दूर रहकर इतिहास लेखन, आधुनिक तकनीक (डिजिटाइजेशन) के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच, आम जनता एवं राज्य के बीच सतत् और सक्रिय सरोकार न होने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी, भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं को बचाने तथा भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता पर बल दिया।



उद्घाटन सत्र में देश के लब्ध प्रतिष्ठित इतिहासकार प्रो. के.एस. गुप्ता, पूर्व प्रोफेसर, मोहनलाल सुखाड़िया वि. वि. विद्यालय, उदयपुर को महाराजकुमार डा. रघुबीरसिंह राष्ट्रीय पुरस्कार के रूप में 51 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र, स्मृतिचिन्ह एवं शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के सचिव तथा भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष डा. मनोहरसिंह राणावत ने संस्थान की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। अतिथियों

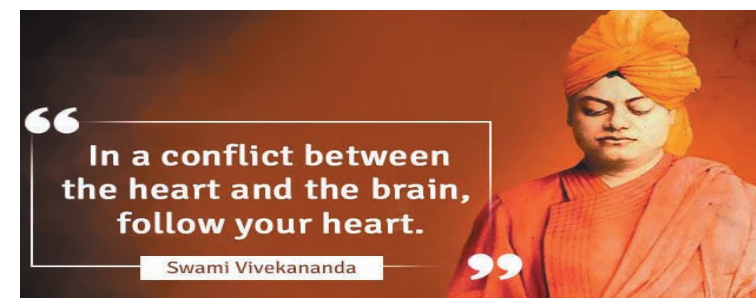
का स्वागत संस्थान के अध्यक्ष श्री पुरंजयसिंह राठौर एवं सत्र संचालन महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान) के वुमन्स स्टडी सेन्टर की निदेशक, डा. मेघना शर्मा ने किया।

उद्घाटन के उपरांत अयोजित छः कार्यात्मक सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान) के पूर्व प्रो. शिवकुमार भनोत, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेवानिवृत्त प्रो. एस.पी. व्यास, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर के प्रो. जे. सी. उपाध्याय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेवानिवृत्त प्रो. दिलबागसिंह, जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू के प्रो. जीगर मोहम्मद तथा उदयपुर के प्रो. जे. के. ओझा ने की। इन सत्रों में म.प्र. के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, उड़ीसा, तेलंगाना आदि राज्यों से आये इतिहासकारों एवं शोधार्थियों द्वारा कुल 73 विद्वानों ने अपना नामांकन कराया जिसमें से 38 ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

तीन दिनों तक चले इस संगोष्ठी का समापन समारोह दिनांक 28 दिसम्बर, 2018 को आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रशांत पुराणिक ने की। समापन समारोह में विचार व्यक्त करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, के पूर्व प्रोफेसर डा. शिवकुमार भनोत, भोपाल के डा. सुरेश मिश्र, नागपुर यूनिवर्सिटी, नागपुर की प्रो. संगीता मेश्राम तथा श्री नटनागर शोध संस्थान के अध्यक्ष पुरंजयसिंह ने इस संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए संस्थान सहित सभी प्रतिभागियों को साधुवाद दिया और यह आशा व्यक्त की कि भारतीय इतिहास पुनर्लेखन की दिशा में हो रहे प्रयासों को इससे बल मिलेगा।

समापन समारोह के अंत में संस्थान के सचिव डा. मनोहरसिंह राणावत ने सभी अतिथियों, गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारों का आभार व्यक्त किया।

— डॉ. एम. एस. राणावत



Workshop on Technical Writing Skills organized by Centre of Continuing and Adult Education and Extension, Aligarh Muslim University

The Centre of Continuing and Adult Education and Extension, Aligarh Muslim University in collaboration with English Language Teachers Association of India, Aligarh Chapter organized a workshop on Technical Writing Skills on January 18, 2019 under Action Research Project. The workshop was inaugurated by Professor M. Hanif Beg, Pro-Vice Chancellor and the welcome address was given by Professor Mohammed Gulrez, Director, Centre of Continuing and Adult Education and Extension. Dr. Muneer Aram Kuzhiyan, Assistant Professor, Department of English and Joint Secretary, English Language Teachers Association of India, Aligarh Chapter gave introductory speech in which he spoke at length about the activities of the Association and how it benefits the students and stakeholders of the university.

Dr. Aysha Munira Rasheed, Deputy Director, Centre of Continuing and Adult Education and Extension spoke on the objectives of the project while Dr. Shameem Akhtar, Assistant Professor, Centre of Continuing and Adult Education and Extension proposed vote of thanks.

- Prof. Mohammed Gulrez

Md. Akram Khan Conferred with Saraswat Samman

Md. Akram Khan, Jail Superintendent, Firozabad Central Jail takes a lot of interest in educating the jail inmates wherever he is posted. His interest in literacy programme started when he was associated with Nehru Yuva Kendra long before and continues till date. The literacy programmes are organized in collaboration/coordination with Zilla Saksharta Samiti and educational programmes through National Institute of Open Schooling. To recognize his services he has been recently conferred 'Saraswat Samman' for the year 2018 under Bedam Warsi-Nisar Simavi Alankaran category by "Etawa Hindi Seva Nidhi", a Trust established by late Justice Prem Shanker Gupta with the objective of enriching Hindi language and literature.

The award was handed over to him in a solemn function by the Hon'ble Governor of Uttarakhand, Smt. Baby Rani Maurya. The function was presided over by Shri Govind Mathur, Hon'ble Chief Justice of Allahabad High Court. Other guests present on the occasion were Shri Hridaya Narayan Dixit, Speaker, Uttar Pradesh Legislative Assembly, Shri Sudhir Agrawal, Justice, Allahabad High Court and Shri Ram Shankar Katheria, Chairman, National Commission for Schedule Castes, Government of India.



ARPIT and LEAP Launched as part of Faculty Development Programme

The Union Ministry of Human Resource Development launched an online professional development programme through Annual Refresher Programme in Teaching (ARPIT) in which 15 lakh faculty members working in higher education institutions will be trained by using the Massive Open Online Course platform SWAYAM.

Another programme launched is Leadership for Academicians Programme (LEAP) which will be implemented through 15 top institutions like IITs, Tata Institute of Social Sciences (TISS), University of Delhi (DU), Jawaharlal Nehru University (JNU) and Indian Institute of Science Education and Research (IISERs) which also includes a week's training in a foreign campus like Harvard University, USA, Oxford University, UK, Purdue University, USA and Nanyang Technological University, Singapore, etc. LEAP is a three week programme (two weeks domestic and one week foreign training) for second level academic functionaries in public funded higher education institutions. The objective of this programme is to prepare second tier academic heads that are likely to assume leadership roles in future. The programme would provide senior faculty with high academic credentials, required leadership and managerial skills including problem solving, stress management, team building, conflict management, communication skills, understanding and coping with the complexity and challenges of governance in higher education institutions, financial and general administration.

SHIKSHA Initiative – Second Advisory Committee meeting held



SHIKSHA Initiative, an educational programme implemented by Shiv Nadar Foundation is doing well in the selected rural areas of Uttar Pradesh. In order to give more perfection to the programme, an Advisory Committee has been constituted with the members drawn from the field of adult and lifelong education and the internal staff incharge of the programme. In this direction the second meeting of the Advisory Committee was held on January 15, 2019 at Sector-126, SEZ Tower 1, 4th Floor EBR-1. Shri Robin Sarkar, Project

Director was in the Chair. Others attended were Dr. V.Mohankumar (IAEA), Prof. Rajesh (Delhi University), Smt. Kusum Vir (former Director, DAE), Smt. Archana Dwivedi (NIRANTAR Trust), Shri Vijay Anand Verma, Smt. Preeti Sharma,

Shri Anuj Goswami, Ms. Sandhya Singh, Ms. Bhawana Sharma, Shri Prateek Gupta (all working for SHIKSHA Initiative) and Shri Deepak Madan and Ms. Parul Arora (both for HCL Technologies).

PPTs prepared as per lesson plans were screened on which discussion took place with regard to methodology, technical input and presentation. Suggestions/opinion given were noted.

Feedback received from Adult Education Instructors with regard to challenges and gaps and new content, philosophy and approach were also discussed. A number of suggestions emerged.

Surat Municipal Corporation runs Special Schools for Migrants

The Municipal Corporation of Surat is running over 120 special schools to cater to the educational needs of city's workforce in languages other than Gujarati which encouraged the migrants to bring their families to settle in the city. The medium of instruction includes Hindi, Marathi, Urdu, Oriya and Telugu. As per the Newspaper report over 66,000 students have been enrolled in the non-Gujarati medium schools and the number is increasing every year in this city which is known as a hub for textiles and diamonds.

Cities with large migrant population can take a leaf out of Surat model.

Kerala's Efforts to make the provisions of Indian Constitution easy to understand by all

In order to make the provisions of Indian Constitution easy to understand by all, Kerala State Literacy Mission Authority and the State Assembly jointly launching Constitution Literacy Programme and this will be implemented in all the wards in the state. For this a Constitution Literacy Book has been prepared under the guidance of Justice Antony Dominic, Chairman, Human Rights Commission, Justice K.K. Dinesan, Lokayukta Ombudsman and Justice V.K. Mohanan, Chairman, Police Complaints Authority with the contents like preamble, fundamental rights, articles that are related to these rights and fundamental duties of a citizen that can be easily understood by the common man as it communicates through illustrations, questionnaires, posers and short notes.

As part of the preparatory work, Preraks are given initial training in Kochi who in turn will train around 60,000 secondary/higher secondary qualified persons to take classes in all the wards in the state with 15 participants in each class. According to Dr. P.S. Sreekala, Director of the Kerala State Literacy Mission Authority over one lakh Resource Persons, including Preraks, equivalency course learners and Instructors will impart classes to over 50 lakh people in the state as part of the mission.

JSS Ahmednagar observed Birth Anniversery of Savitribai Phule



The Jan Shikshan Sansthan, Ahmednagar observed the birth anniversary of the great social reformer Savitribai Phule on January 3, 2019 in Pemraj Sarda College, Ahmednagar. Dr. Amereja Rekhi, Principal presided over the function. Around 140 persons attended the function. Prof. Shashikant Shinde delivered a special lecture on the life, work and sacrifice made by Savitribai for the society.

Shri Balasaheb Pawar, Director, Jan Shikshan Sansthan who spoke on the occasion said that Savitribai advocated equality and equity in society so that the socially backward get their share for decent living.

- Balasaheb Pawar

National Seminar-cum-Workshop on Research Methodology



A two day National Seminar-cum-Workshop on Research Methodology with special reference to Teachers' Education was held at St. Mary's College Bachelor of Education & Higher Studies, D.El.Ed., Ranaghat, Nadia district, West Bengal on January 19-20, 2019 which was attended by around 270 college students, 14 Research Scholars and 36 Academics from different institutions. St. Mary's Group of Institutions is known for quality education which started its journey in 2002 for the cause of education and community development in Ranaghat Sub-division and the adjacent areas.

The inaugural session of the seminar held at B.Ed Seminar Hall was presided over by Professor Prasenjit Deb, Head, Department of Lifelong Learning & Extension, University of Kalyani and the welcome address was given by Shri Susanta Pal, Director of St. Mary's Group of Institutions. While the Keynote Address was given by Dr. V. Mohankumar, Director, Indian Adult Education Association, New Delhi, Shri Alok Kumar Joadar, Principal, St. Mary's English School also addressed the gathering. At the end Dr. Ram Murat Varma, Principal, St. Mary's B.Ed. College gave vote of thanks.

The inaugural session was followed by three technical sessions out of which two were on 19th January itself and one on 20th January. The first technical session was devoted to evaluation and research, the second one was on Method of Research and Formulation of Hypothesis and the third one was on Sampling and Tools of Data Collection. All the three sessions were taken by Dr. V. Mohankumar by using Power Point Presentation.



In each presentation the participants raised a number of pertinent questions and points for clarification which was duly given by the resource persons. At the end the organizers got the feedback from the participants that the presentations were useful and such seminars should be organized in future also for academic improvement.

In the afternoon of 20th four concurrent sessions were held in which around 50 participants presented seminar papers. These sessions were chaired by Professor Partha Sarathi De, Department of Sociology, University of Kalyani, Shri Bibek Santra, Eminent Artist and Dr. V. Mohankumar. Shri Susanta Pal, Director, St. Mary's Group of Institutions informed that around 20 best written papers will be selected, edited and published as a book with ISBN.

The National Seminar-cum-Workshop was concluded with a speech delivered by Professor Prasenjit Deb and distribution of certificates to all the participants.

Santosh Kumar Kappu awarded Doctorate Degree

Shri Santosh Kumar Kappu has been awarded Doctorate Degree by the University of Delhi for the topic of the thesis "Skill Enhancement of Un-Organized Sector Labours through Adult Education in NCR". He did his research under the able guidance of Prof. Rajesh, Department of Adult, Continuing Education and Extension.

Shri Kappu is the Life Member of Indian Adult Education Association.



"The wealth of an unlearned person is worse than the poverty of a learned person"

- Thiruvalluvar
A great Tamil Saint

Academic Discussion with the Students and Scholars at University of Kalyani



The Department of Lifelong Learning & Extension, University of Kalyani organized an academic meet with Dr. V. Mohankumar, Director, Indian Adult Education Association, New Delhi for the present and past students and

research scholars in the Seminar Hall of the Department on January 21, 2019. Around 29 participants attended. The meeting started with the introductory address by Professor Prasenjit Deb, Head, Department of Lifelong Learning & Extension who detailed the journey of the department, its achievements, academic excellence and how over the time it has turned out to be a recognized centre for vocational training. Thereafter, the floor was kept open for Dr. V. Mohankumar to have discussion with the participants which included the importance of

lifelong learning for the non-literate and less literate people of India, need to the importance of self-employment so that one can be an employment provider rather than employment seeker and value education for the present generation to grow a known society for respect, restraint, forthcoming, helpful and concern for the country. For self-employment and value education the Power Point Presentations were used.

During the discussion the participants raised a number of points for clarification which was answered then and there.

Key Stakeholders oriented on Drug users

The Transgender Resource Center of the Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi organized an orientation programme on December 21, 2018 for the key stakeholders on the issue of drug using women in the conference room of university's International



Guest House which was attended by 30 participants including a transgender person. The objective of this programme was to sensitize the stakeholders aware of the issues relating to drug using women. The Resource Persons were Shri Santosh Kumar, Chief Functionary Officer, Ganga Social Foundation and Shri Kunal Kishore, Associate Director, Drug Use and Harm Reduction, India HIV/AIDS Alliance.

Shri Kunal Kishore while sharing his experience of working for the drug using women said that no proper data is available regarding how many women are addicted to drugs though such women are mostly excluded from the community and uncared by the family, friends, neighbours and the fellow workers in the work place. Unfortunately, addiction makes such women vulnerable and many times exposed to illegal activities including thieving, cheating and sex for money to buy drugs. They are

to understand the problem and try to tackle the situation by helping the women to reach the rehabilitation centre (Nasha Mukti Kendra) so that they get proper treatment.

Shri Kunal Kishore also said that in spite of many rehabilitation centers available not all drug using women are helped to reach the centre simply because of lack of awareness and stigma. The simple conclusion people come to is that addicted women are bad characters. This thinking needs to be changed so that women who suffer out of using drugs are rehabilitated and brought back to mainstream to lead a decent life.

The programme started with the welcome address by Prof. Rajesh who also introduced the subject for discussion.

- Akanksha Singh
M.Phil Student

Global Honour for Indian Higher Education Institutions

Twenty Five Indian Higher Education Institutions figure in the 2019 ranking of the top 200 in 43 Emerging Economic Countries according to the data released by London based Times Higher Education (THE), a global organization that produces data, analysis and expertise on higher education. The 2019 ranking comprises nearly 450 universities from 43 countries across four continents.

The Indian Institute of Science is in the highest spot for India in 14th rank followed by Indian Institute of Technology, Bombay in 27th, Indian Institute of Technology, Roorkee at 35th, Indian Institute of Technology, Indore at 61st, JSS Academy of Higher Education and Research at 64th and Savitribai Phule Pune University at 93rd. It is reported that in this year's table India's institutions performed well in teaching. However, they are significantly behind the global average in terms of international outlook. Strengthening this will further elevate the nation's global reputation for higher education, encourage important research collaborations and help attract international students.

Following is the ranking of 25 Indian universities which have come in the top 200:

Institution Name	2019 Ranking
Indian Institute of Science	14
Indian Institute of Technology Bombay	27
Indian Institute of Technology Roorkee	35
Indian Institute of Technology Kanpur	46
Indian Institute of Technology Kharagpur	55
Indian Institute of Technology Indore	61
JSS Academy of Higher Education and Research	64
Indian Institute of Technology Delhi	66
Indian Institute of Technology Madras	75
Savitribai Phule Pune University	93
Indian Institute of Science Education and Research, Pune	109
Tezpur University	116
University of Delhi	130
Jadavpur University	130
Banaras Hindu University	134
Indian Institute of Technology Hyderabad	139
Indian Institute of Technology Guwahati	140
Amrita University	141
Panjab University	150
Indian Institute of Technology Bhubaneswar	153
National Institute of Technology Rourkela	171
Indian Institute of Technology (Indian School of Mines) Dhanbad	172
Aligarh Muslim University	180
Jamia Millia Islamia	187
Sri Venkateswara University	198

Source: Times Higher Education (THE)